समय : 3:00 घंटे पूर्णांक : 100

सूचना :1.सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2.सभी प्रश्नों के लिए समान अंक है।

प्रश्न 1. नाटक के तत्व एवं उसके प्रकारों पर प्रकाश डालिए ? 20

अथवा

नाटक एवं एकांकी में साम्य एवं वैषम्य पर प्रकाश डालिए ?

प्रश्न 2. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए? 20

क) "मैं गोद लेने के पक्ष में नही हूँ अपना खून अपना ही होता है| ग्राम पंचायत के साथ ही आप हमारी जातीय पंचायत के भी सरपंच है| आप चाहेंगे तो कोई सुंदर लड़की मेरे लिये मिल जायेगी।"

अथवा

"तुम्हारा भाग्य ही खराब है| मैं क्या करूँ? मैने तो झोले में दो काले पत्थर ही डाले थे| निर्णय तुम्हारे पक्ष में ही आना था पर इस चालाक लड़की ने मेरा सारा खेल चौपट कर दिया।"

ख) "देख भाभी, इतना तड़कने-भड़कने की जरुरत नही है| आटे को मैने मना नही किया| निकाला हुआ रखा है| मैं तो कह रही थी कि भाई साहेब को हाथ-पाँव चलाना चाहिए।"

अथवा

"हाँ मेरे सामने ही तो वह यहाँ आया था| वैसे कुशाग्रबुद्धी तो वह है, पर कुछ वय का सम्मान भी होना चाहिए| एक से एक प्रकाण्ड विद्वान, आचार्य नालन्दा में भरे पड़े है।"

प्रश्न 3. नाटक के तत्वो के आधार पर काला पत्थर की समीक्षा कीजिए ? 20

अथवा

काला पत्थर नाटक के प्रमुख नारी पात्र पुनिया की समीक्षा कीजिए ?

प्रश्न 4. धाय माँ पन्ना का चरित्र-चित्रण कीजिए? 20

अथवा

आर्यभट्ट और चूडामणि, चिन्तामणि के संघर्ष के कारणों की समीक्षा कीजिए ?

प्रश्न 5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियां लिखिए ? 20

क) 'काला पत्थर' नाटक में चित्रित अंधविश्वास।

ख) प्रभात का चरित्र |

ग) डॉ. कौशिक की खोज |

घ) रेखा और विनीत का संघर्ष।

muquestionpapers.com